शिक्षक निष्ठा से दायित्वों का पालन करें

जालोर @ पत्रिका

patrika.com

राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का दो दिवसीय जिला अधिवेशन मंगलवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिलाध्यक्ष हाजीखान मेहर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एकीकृत कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष शांतिलाल दवे थे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रधानाचार्य विजयकुमार व डाइट प्रधानाचार्य हनीफ खान मौजूद थे। सम्मेलन के दौरान जिलामंत्री हनुमानप्रसाद उपाध्याय ने शिक्षा में नवाचार, बाबूलाल वैष्णव ने सातवें वेतन आयोग के लिए सुझाव व समीक्षा, विजयकुमार पारीक ने विद्यालय में सह शैक्षणिक गतिविधियों का प्रभावी नियोजन, अमजद खां ने शिक्षा विभाग में परिवर्तन व चुनौतियां एवं नाहिद अली समेत विभिन्न शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए। इस मौके दवे ने कहा कि शिक्षक को समय की चुनौतियां स्वीकारते हुए समाज का निर्माण करना होगा। इस मौके काफी संख्या में शिक्षक मौजूद थे। अंत में जिलामंत्री उपाध्याय ने समापन की घोषणा की।

इसी तरह राजेंद्र नगर स्थित आदर्श राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चल रहे राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के दो दिवसीय शैक्षिक सम्मेलन के अंतिम दिन मंगलवार को खुला अधिवेशन एवं समापन सत्र का समारोहपूर्व समापन हुआ। इस मौके मुख्य अतिथि के तौर पर जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक सैयदअली सैयद मौजूद थे, जबकि अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देवराज चौधरी व आहोर प्रधान राजेश्वरी कंवर ने की। सम्मेलन में मुख्य वक्ता प्रदेश उपाध्यक्ष शिवदत्त आर्य एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में संभाग संगठन मंत्री गोपालसिंह, दलपतसिंह आर्य, जिला संरक्षक मदनसिंह राठौड़ व प्रियंका शर्मा मौजूद थीं।

समारोह की शुरुआत अतिथियों के स्वागत, माता सरस्वती व भारत माता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर की गई। इस मौके मुख्य अतिथि सैयद ने शिक्षकों को पूर्ण मनोयोग व निष्ठा से दायित्वों का पालन करने की बात कही। मुख्य वक्ता आर्य ने संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए शिक्षकों के वाजिब अधिकारों के लिए संघर्षरत रहने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष चौधरी ने स्टाफिंग पैटर्न में अनियमितताओं, अव्यवहारिक समय परिवर्तन व शिक्षकों के पदों में कटौती को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शैक्षिक समस्याओं पर चर्चा की। संभाग संगठन मंत्री व जिला संरक्षक ने खुले अधिवेशन में ब्लॉकवार प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए किए गए प्रयासों एवं वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए बिंदूवार चर्चा की।

जालोर में शिक्षक संघ सम्मेलन में उपस्थित अतिथि। पत्रिका

चितलवाना के सिवाड़ा में शैक्षिक सम्मेलन में उपस्थित शिक्षक। पत्रिका

खुले अधिवेशन में बताई समस्याएं

समापन समारोह से पहले आयोजित खुला अधिवेशन के माध्यम से जालोर, आहोर, सायला, बागोड़ा, भीनमाल, रानीवाड़ा, जसवंतपुरा, सांचौर व चितलवाना के ब्लॉक अध्यक्ष व मंत्रियों ने विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराया। समारोह का संचालन जिलामंत्री अंबिकाप्रसाद त्रिवादी ने किया। खुला अधिवेशन में शिक्षक हित से संबंधित विभिन्न प्रस्ताव पारित कर राज्य सरकार को भिजवाए जाएंगे।

समस्याओं के समाधान की मांग

खुला अधिवेशन में जवानसिंह मांगलिया, कपूरसिंह राजपुरोहित, मानसिंह, गोविंदसिंह राव, भबूताराम चौधरी, रघुनाथ जाणी, हीरालाल चौधरी व रामचंद्र दवे ने संबोधित करते हुए शिक्षक समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस अवसर पर विजय ओझा, जयप्रकाश पणिया, हरीश सांखला, सुनील व्यास, चंद्रकांत रामावत, कमलेशसिंह, कृष्णकुमार माली, बसंत ओझा व सुरेंद्र नाग समेत काफी संख्या में संघ के पदाधिकारी व शिक्षक प्रतिनिधि मौजूद थे।

रानीवडा. राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का मंगलवार को समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक नारायण सिंह देवल ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण है। समाज के भावी कर्णधारों के भविष्य निर्माण का जिम्मा शिक्षकों पर है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के वर्तमान समय में कई चुनौतियां है। उन्होंने कहा कि शिक्षक अधिकारों के साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी ईमानदारी व निष्ठा के साथ करें। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन को सफल बनाने में सहयोग का आह्वान किया। राणाराम विश्नोई ने कहा कि शिक्षकों को वर्तमान में नई सोच विकसित करने की आवश्यकता है। प्रदेश मुख्य महामंत्री पुनमचंद विश्नोई ने सरकार की शिक्षक विरोध नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। सम्मेलन को महासंघ जिला अध्यक्ष पुनाराम विश्नोई व सरपंच रिड़मलसिंह, सम्मेलन संयोजक भागीरथ कड़वासरा, जिला अध्यक्ष किशनलाल सारण, मांगीलाल विश्नोई ने भी विचार प्रकट किए। ए.सं.

चितलवाना. विद्यालयों के परिणाम की गुणवत्ता पर शिक्षकों से चर्चा कर सुधार लाया जा सकता है। यह बात सिवाड़ा में आयोजित राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील के जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के समापन समारोह में सांसद देवजी पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में नई तकनीकी से शिक्षा पद्धति लागु करनी चाहिए। शिक्षक संघ के प्रांतीय प्रधान संरक्षक सोनाराम बिश्नोई ने कहा कि शिक्षक ही राष्ट्र के निर्माता है। जो आज के युग में शिक्षकों को गुरु की उपाधि देकर पूजनीय बनाने के लायक होती है। सांचौर प्रधान टाबाराम मेघवाल ने परिवार व देश की कर्णधार को उज्जवल बनाने का कार्य ही शिक्षण है। संरक्षक केसाराम मेहरा ने शिक्षकों के नवाचारों पर मंथन करते हुए शिक्षकों की समस्याओं से अवगत करवाया। सांचौर बीईईओ भंवरलाल सैन ने शिक्षकों की समस्याओं से निजात दिलाने का आश्वासन दिया। जिलाध्यक्ष लखमाराम चौधरी ने विद्यालयों में शिक्षण कार्यके वातावरण बनाने की बात पर जोर दिया। संयोजक भारमलराम डारा, ब्लॉक अध्यक्ष मिश्रीमल साऊ, भैराराम मांजू, मनोहरदान चारण, झालाराम परिहार, जिला मंत्री गलबाराम परिहार ने भी विचार व्यक्त किए। इस मौके बाबूलाल पालड़िया, चौरा सरपंच श्रवण कुमार, झावताराम कपासिया, बाबूलाल जांगू, ओमप्रकाश गुरु, प्रदीप मांजू, जगदीश गोदारा, भागीरथ पंवार मौजूद थे।

रेसला का सम्मेलन संपन्न

जालोर @ पत्रिका. राजस्थान शिक्षा सेवा प्राध्यापक संघ रेसला के जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन का समापन मंगलवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रताप चौक में प्रदेश संगठन मंत्री शांतिलाल दवे की अध्यक्षता में हुआ। समापन समारोह को जिलाध्यक्ष देवीलाल गेहलोत व जिलामंत्री धनराज छीपा ने व्याख्याताओं को संबोधित किया। सम्मेलन में कई प्रस्ताव लिए गए, जिन्हें राज्य सरकार को भेजा जाएगा। इस दौरान तृतीय व द्वितीय श्रेणी शिक्षकों का व्याख्याता के रूप में चयन होने पर प्रोबेशन पीरियड पुनः नहीं रखने, व्याख्याता से प्रधानाचार्य की पात्रता की वरिष्ठता सूची बनाने, 5400 का ग्रेड पे लागू करने व आरपीएससी से चयनित व्याख्याताओं का दो वर्ष पूर्ण होने पर स्थायीकरण करने समेत कई प्रस्ताव लिए गए। कार्यक्रम के अंत में व्याख्याता से प्रशासनिक सेवा में चयनित रेसला के साथियों का माल्यार्पण व स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया। इस मौके कल्याण नारायण परमार, जितेंद्र शर्मा, मनीष ठाकुर व विजय भंडारी समेत काफी संख्या में व्याख्याता मौजूद थे।

मोदरा. शिक्षक सम्मेलन में उपस्थित अतिथि। पत्रिका

रानीवाड़ा। शैक्षिक सम्मेलन में मंचासीन अतिथि।

चितलवाना के सिवाड़ा में उद्बोधन देते सांसद व मंचासीन अतिथि। पत्रिका